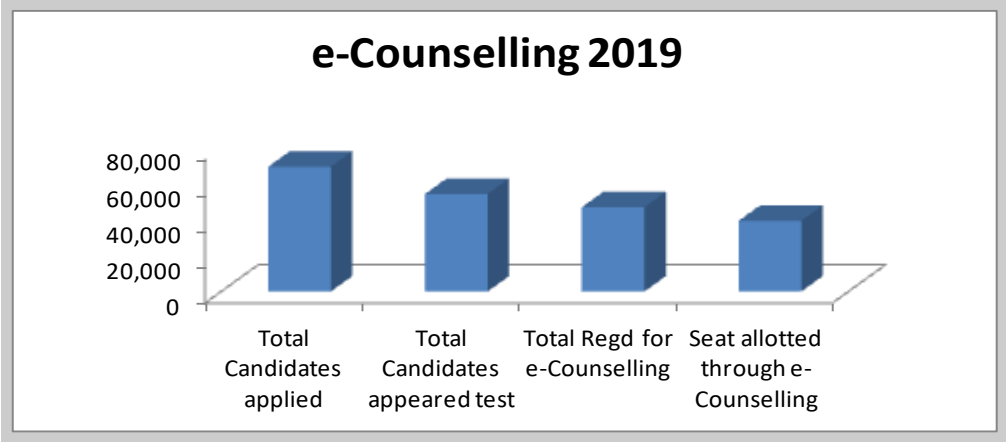

राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र
ओडिशा राज्य केंद्र
यूनिट - IV, सचिवालय मार्ग,
भुवनेश्वर - 751001
दूरभाष: +91 - 674 - 25408438
www.nic.in www.gov.in
ई-मेल: sio-ori@nic.in

"Most people say that it is the intellect which makes a great scientist. They are wrong: it is the character."

- Albert Einstein

सुर्खियां

NIC की ई-काउंसलिंग 5Ts के अंतर्गत ओडिशा के विद्यार्थियों को सशक्त बनाने के लिए एक और उदाहरण प्रस्तुत की

एनआईसी, ओडिशा ने अपने आईसीटी सपोर्ट को ओडिशा ज्वाइंट एंट्रेंस एग्जामिनेशन (ओजेईई) समिति को काउंसलिंग-कम-एडमिशन पर अपने ई-काउंसलिंग पोर्टल (https://ojee.nic.in) के माध्यम से स्नातक और स्नातकोत्तर तकनीकी / व्यावसायिक सभी पाठ्यक्रमों के लिए विस्तारित किया है।

OJEE के अलावा, NIC काउंसलिंग के लिए पोस्ट-डिप्लोमा इन इंडस्ट्रियल सेफ्टी (PDIS), और स्वामी विवेकानंद नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ रिहैबिलिटेशन ट्रेनिंग एंड रिसर्च (SVNIRTAR) में काउंसलिंग-कम एडमिशन के लिए तकनीकी शिक्षा निदेशालय और प्रशिक्षण को तकनीकी सहायता प्रदान कर रहा है। स्नातक और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु एनआईसी 2010 से ई-परामर्श सेवाएं प्रदान कर रहा है।

प्रवेश के लिए ई-काउंसलिंग प्रवेश परीक्षा के माध्यम से विद्यार्थियों के रैंक के अनुसार सर्वश्रेष्ठ संस्थान / पाठ्यक्रम चुनने की एक समयबद्ध स्वचालित प्रक्रिया है। योग्यता को बढ़ावा देने, उत्कृष्टता प्राप्त करने और दुरुपयोग को रोकने के लिए विद्यार्थी समुदाय के बड़े हित और कल्याण के लिए, केंद्रीकृत और सिंगल विंडो प्रक्रिया प्रदान करके परामर्श प्रक्रिया द्वारा प्रवेश को विनियमित किया जा सकता है, जो काफी हद तक निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से योग्यता आधारित प्रवेश दिलाने का आश्वासन दे सकता है।

प्रौद्योगिकियों के विकास के साथ, आईसीटी का उपयोग प्रवेश में आने वाली चुनौतियों और बोझिल प्रक्रियाओं को दूर करने के लिए किया जाता है। यह ओडिशा सरकार की 5Ts कार्य योजना का उपयोग करके छात्र समुदाय को बेहतर सेवा प्रदान करना सुनिश्चित करता है।

एनआईसी ने सरकारी क्षेत्र के लिए अपना इंस्टैंट मैसेंजर (IM) जारी किया

NIC द्वारा डिजाइन और विकसित किया गया सरकारी इंस्टैंट मैसेजिंग सिस्टम (जीआईएमएस), राज्य और केंद्र सरकार के कर्मचारियों द्वारा इस्तेमाल किया जाने वाला इंस्टैंट मैसेजिंग प्लेटफॉर्म है। GIMS मोबाइल क्लाइंट इंट्रा और इंटर डिपार्टमेंटल कम्युनिकेशन दोनों के लिए त्वरित संदेश भेजने की सुविधा देता है और GIMS पोर्टल का उपयोग प्रशासन और निगरानी प्लेटफॉर्म के रूप में किया जा रहा है। मैसेजिंग नेटवर्क का लाभ उठाने के लिए सरकारी कर्मचारियों के पास एनआईसी ई-मेल account होना चाहिए।

मुख्य सचिव श्री अशोक मीणा, आई.ए.एस. की अध्यक्षता में वित्त विभाग के अधिकारियों को GIMS की प्रस्तुति

GIMS ऐप्पल iOS 11 संस्करण या उससे ऊपर और Android संस्करण 4.4.4 या इसके बाद के संस्करण दोनों में उपलब्ध है। श्रीमती सपना कपूर, STD, एनआईसी, नई दिल्ली, ने एक बैठक में GIMS की कार्यक्षमता और लाभों का प्रदर्शन किया, जिसकी अध्यक्षता सरकार के प्रमुख सचिव श्री अशोक के के मीणा ने की। इस बैठक में ओडिशा सरकार के वित्त विभाग के सभी वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

एनआईसी ओडिशा राज्य और जिला अधिकारियों के लिए एनआईसी, भुवनेश्वर में एक कार्यशाला भी आयोजित की गई।

क्लिनिकल प्रतिष्ठानों के लिए लाइसेंस प्रदान को प्राथमिकता मीली

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग, ओडिशा के माननीय मंत्री, श्री नब किशोर दास ने, डॉ। पी. के. मेहेरदा, आईएएस, आयुक्त-सह-सचिव, की उपस्थिति में, नैदानिक स्थापना प्रबंधन प्रणाली, (http://cemso.nic.in) का शुभारंभ किया। समारोह में स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग के कई गणमान्य व्यक्ति तथा एनआईसी, ओडिशा के अधिकारी उपस्थित थे।

यह प्रयोग नैदानिक स्थापना प्रणाली में पंजीकरण प्राप्त करने के लिए आवश्यक मंजूरी जारी करने में होने वाले बिलम्ब जैसे मुद्दों का हल करने तथा पारदर्शिता लाने के लिए है। इस नई प्रणाली के माध्यम से लगभग 1800 निजी अस्पताल और

माननीय मंत्री जी ने CEMSO का सुभारम्भ किया

क्लीनिक लाभान्वित होंगे क्योंकि वे नवीकरण प्रमाणपत्र के लिए आवेदन कर सकेंगे। नए उद्यमी जो एक नया नैदानिक प्रतिष्ठान (नर्सिंग होम, क्लिनिक, पाथ लैब और एमआरआई केंद्र आदि) स्थापित करना चाहते हैं, वे राज्य सरकार से एनओसी प्राप्त करने के लिए इस के माध्यम से आवेदन करेंगे।

इस आवेदन के मुख्य हिस्सेदार नागरिक, सीडीएमओ, कलेक्टर और डीएमईटी (चिकित्सा शिक्षा और प्रशिक्षण निदेशक) हैं। एप्लिकेशन को ओपन सोर्स टेक्नोलॉजी का उपयोग करके विकसित किया गया है।